

प्रयोगबाहुल्य पुं. (तत्.) किसी शब्द का पर्याप्त विस्तृत आधार पर भाषा में अपनाया जाना।

प्रयोगवाद पुं. (तत्.) परंपरागत रीति से हटकर साहित्य और कला आदि में विषय, वस्तु, अलंकार, भाषा, माध्यम, छंद, शब्दचयन आदि अनेक दृष्टियों से नए प्रयोग करने की विचारधारा, हिंदी साहित्य के संदर्भ में यह एक काल विशेष का नाम है जिसका स्वरूप 1941 से माना जाता है, अज्ञेय प्रयोगवाद को जन्म देने वाले साहित्यकार माने जाते हैं।

प्रयोगवादी पुं. (तत्.) प्रयोगवाद संबंधी, प्रयोगवाद का पुं. (तद्.) 1. प्रयोगवाद के समर्थक लेखक, कवि आदि 2. प्रयोगवाद का अनुयायी/समर्थक।

प्रयोगविधि स्त्री. (तत्.) किसी दवाई, उपकरण, आदि के प्रयोग को विधिवत् समझाने की प्रक्रिया या पद्धति।

प्रयोगवैचित्र्य पुं. (तत्.) लीक से हटकर किया गया कोई प्रयोग जो वस्तु या उपकरण आदि से भी संबंधित हो सकता है और प्रक्रिया, उपादान आदि से भी।

प्रयोगशाला स्त्री. (तत्.) वैज्ञानिक प्रयोगों को करने या करके दिखाने का स्थान, कमरा, भवन आदि। laboratory

प्रयोगातिशय पुं. (तत्.) नाटक आदि में प्रस्तावना का एक भेद जिसमें एक प्रयोग की अवधि में ही थोड़े अंतराल पर अन्य प्रयोग का समावेशन हो जाता है और नाटक का भावी तदनुसार ही होता है, उदाहरण के लिए सूत्रधार प्रस्तावाना के अंत में किसी पात्र को देखकर यह कहता है कि 'अरे वह तो स्वयं इधर ही आ रहा है' और इस प्रकार भावी कार्य की सूचना देकर चला जाता है।

प्रयोगात्मक वि. (तत्.) प्रयोग संबंधी, प्रयोग का, सिद्ध या प्रमाणित करने के लिए जिसका प्रयोग या परीक्षा हो रही हो, प्रयुज्मयान प्रयोग के रूप में किया जाने वाला, क्रियात्मक, व्यावहारिक पर्या. प्रायोगिक। experimental

प्रयोगार्थ वि. (तत्.) जो प्रयोग के लिए हो।

प्रयोगार्ह वि. (तत्.) 1. प्रयोग में लाए जाने योग्य, जिसका प्रयोग करना चाहिए 2. जिसका प्रयोग किया जा सके।

प्रयोजक पुं. (तत्.) 1. प्रयोग करने वाला, प्रयोगकर्ता, प्रयोग का अनुष्ठान करने वाला 2. किसी काम में लगाने वाला, प्रवर्तक, नियन्ता, व्यवस्थापक 3. संस्थापक, प्रवर्तक स्थापनकर्ता, प्रतिष्ठापक 4. नेतृत्व करने वाला, उद्दीपक उकसाने वाला 5. नियुक्त करने वाला, प्रेरणार्थक क्रिया का कर्ता, प्रेरक 6. निमित्त बनने वाला, कारण बनने वाला, संपन्न करने वाला 7. ग्रंथकर्ता 8. साहूकार, महाजन 9. धर्मशास्त्री, विधायक।

प्रयोजन पुं. (तत्.) 1. वह वस्तु, बात जिसे पाने के लिए कोई व्यक्ति किसी काम में लगे, उद्देश्य 2. अभिप्राय, मतलब, अपेक्षा, आवश्यकता, काम, अर्थ 3. उपयोग, व्यवहार 4. लाभ, मुनाफा, सूद, ब्याज 5. विशेष आयोजन। purpose, motive

प्रयोजनपरक वि. (तत्.) जिस कार्य को करने में कोई विशेष प्रयोजन निहित हो।

प्रयोजन मूलक वि. (तत्.) किसी विशेष वर्ग, विषय, क्षेत्र आदि के प्रयोजनार्थ, क्रिया संबंधी, क्रियात्मक, कार्यात्मक, वृत्तिमूलक। functional, tendentious

प्रयोजनमूलक भाषा स्त्री. (तत्.) क्षेत्र विशेष या विषय विशेष में मुख्यतः व्यवहार में लाई जाने वाली भाषा जिसकी काफी शब्दावली रुढ़ होकर व्यवहार में विशेष अर्थों का द्योतक हो जाती है जैसे- बाजार या मंडी में सोना उछला, चाँदी ओँधे मुँह गिरी, ताँबा कमजोर, पीतल लुढ़का आदि का प्रयोग।

प्रयोजनवती लक्षणा स्त्री. (तत्.) काव्य. 'लक्षणा' नामक शब्द शक्ति का एक भेद जिसमें रूढ़ि से नहीं अपितु किसी प्रयोजन से लक्ष्यार्थ प्रकट होता है, वह लक्षण जो प्रयोजन द्वारा वाच्यार्थ से भिन्न अर्थ प्रकट करती है।

प्रयोजनवत्ता स्त्री. (तत्.) प्रयोजन वाला होने का गुण या भाव, प्रयोजनशीलता, सोद्देश्यता।